जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों को समर्पित आईआईएम रांची का कैंपस भवन

महानायकों के नाम पर हुए 'ब्लॉक'

आईआईएम

- स्वतंत्रता सेनानियों के नाम से जाने जाएंगे विभिन्न शैक्षणिक ब्लॉक
- उद्देश्य- देशभक्ति और देश की विरासत के प्रति सम्मान की भावना लाना

रांची, विशेष संवाददाता। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), रांची ने अपने प्रशासनिक, शैक्षणिक और पुस्तकालय ब्लॉकों का नामकरण आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर किया है। इसका लक्ष्य विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच देशभक्ति और देश की विरासत के प्रति सम्मान की गहरी भावना पैदा करना है।

यहां बिरसा मुंडा ब्लॉक भगवान बिरसा मुंडा को समर्पित है। उन्होंने आदिवासी समुदाय के अधिकारों की वकालत करते हुए मुंडा विद्रोह का नेतृत्व किया। इसी तरह, नीलांबर ब्लॉक ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाले नीलांबर को समर्पित है, जबकि पीतांबर ब्लॉक पीतांबर की अदम्य साहस के नाम है।

नीलांबर-पीतांबर ने ब्रिटिश शासन के तहत आदिवासी लोगों पर होने वाले शोषण और अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। सिदो ब्लॉक और कान्हू ब्लॉक संथाल विद्रोह के नेता सिदो मुर्मू और कान्हू मुर्मू को श्रद्धांजलि देते हैं, जो भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में उल्लेखनीय व्यक्ति थे। उन्होंने 1855-1856 में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन के खिलाफ एक महत्वपूर्ण विद्रोह का नेतृत्व किया, जिसे संताल विद्रोह या संताल हूल के नाम से जाना जाता है।

Hindustan, 02.07.2204, P.6

जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर रखा कैंपस का नाम

रांची| आईआईएम रांची ने अपने प्रशासनिक, शैक्षणिक और पुस्तकालय ब्लॉकों को आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों का नाम दिया। आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों और स्वतंत्रता आंदोलन की समृद्ध सांस्कृतिक छवि को याद दिलाने के लिए कैंपस ब्लॉक का नाम बिरसा मुंडा ब्लॉक, नीलांबर ब्लॉक, सिद्धू ब्लॉक और कान्हू ब्लॉक रखा गया।

Dainik Bhaskar, 02.07.2024, P.4

स्वतंत्रता सेनानियों को समर्पित आइआइएम रांची का कैंपस भवन

रांची. आइआइएम रांची के प्रशासनिक और शैक्षणिक भवनों को झारखंड के स्वतंत्रता सेनानियों को समर्पित किया गया है. अब संस्थान के विभिन्न भवन इन्हीं के नाम से जाने जायेंगे. इनमें बिरसा मुंडा ब्लॉक, भगवान नीलांबर ब्लॉक, पितांबर ब्लॉक, सिदो ब्लॉक और कान्हू ब्लॉक आदि हैं. इसका उद्देश्य संस्थान के विद्यार्थियों को राज्य के स्वतंत्रता सेनानियों से परिचय कराना है. साथ ही राज्य के सांस्कृतिक विरासत में उनकी भूमिका से प्रेरित कराना है. आइआइएम रांची के भवन आजादी की लड़ाई में बलिदान देने वाले वीर सपूतों को श्रद्धांजलि देने का काम करेंगे.

Prabhat Khabar, 02.07.2204, P.10